Dainik Bhaskar (Indore), 29th April 2025, Education City, Page – 04

स्टार्टअप्सः

प्रदेश में सबसे ज्यादा स्टार्टअप्स इंदौर में, प्रमोट करने के लिए 7 स्टार्टअप कम्युनिटीज भी

मध्य भारत का स्टार्टअप हब

जब भी भारत में स्टार्टअप्स की बात होती है तो ज्यादातर लोगों के दिमाग में बेंगलुरु, दिल्ली या मुंबई जैसे बड़े महानगर आते हैं, लेकिन अब इंदौर भी इस दौड़ में तेजी से आगे बढ़ रहा है। मध्य भारत का दिल कहे जाने वाला इंदौर अब सिर्फ अपनी स्वच्छता और रहने लायक माहौल के लिए ही नहीं, बल्कि अपनी तेजी से बढ़ती आंत्रप्रेन्योरशिप स्पिरिट के लिए भी पहचाना जाने लगा है।

यहां की नई पीढ़ी अब पारंपरिक सरकारी नौकरी की तलाश में नहीं, बल्कि खुद का कुछ नया और बड़ा बनाने की चाह में स्टार्टअप्स की ओर रुख कर रही है। टेक्नोलॉजी, एग्रीकल्चर, रिटेल, हेल्थ और एजुकेशन जैसे कई क्षेत्रों में इंदौर के युवा अब नए-नए स्टार्टअप्स शुरू कर रहे हैं, जो न केवल उन्हें आत्मनिर्भर बना रहे हैं, बल्कि शहर को भी एक उभरते हुए स्टार्टअप हब में बदल रहे हैं।

(ये मैप प्रतीकात्मक है)

स्टार्टअप शुरू करने के लिए जरूरी कदम

स्टार्टअप शुरू करने के लिए सबसे पहला और अहम कदम है, उस समस्या की पहचान करना जिसे आप सुलझाना चाहते हैं। जब तक आपकी सोच किसी वास्तविक समस्या को हल नहीं करती, तब तक उसका असर सीमित ही रहेगा।

इसके बाद जरूरत होती है, एक प्रभावशाली समाधान यानी ऐसा प्रोडक्ट या सर्विस डेवलप करने की जो उस समस्या को बेहतर तरीके से सुलझा सके।

फिर आती है मार्केट रिसर्च, जिससे यह पता चलता है कि क्या वाकई लोगों को आपकी पेशकश की जरूरत है या नहीं। इसके बाद एक ठोस बिजनेस मॉडल बनाना जरूरी होता है, जिसमें यह तय किया जाता है कि आपकी कमाई कैसे होगी, लागत कैसे मैनेज होगी और ऑपरेशन कैसे चलेगा।

एक मजबूत टीम बनाना और निवेश (फंडिंग) जुटाना भी बेहद जरूरी है, क्योंकि एक अकेले इंसान के लिए सब कुछ संभाल पाना मुश्किल होता है। अंत में, एक MVP (Minimum Viable Product) यानी आपके प्रोडक्ट का बेसिक वर्जन लॉन्च करें, यूजर्स से फीडबैक लें, उसमें सुधार करें और फिर धीरे-धीरे उसे स्केल करें। यही कदम आपके आइडिया को एक सफल स्टार्टअप में बदल सकते हैं।

क्यों जरूरी है स्टार्टअप्स?

स्टार्टअप्स किसी भी देश की सामाजिक और आर्थिक तरक्की में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ये केवल एक नए बिजनेस की शुरुआत नहीं होते, बल्कि एक नई सोच और समाधान का प्रतीक होते हैं। सबसे पहली बात, स्टार्टअप्स खुद के साथ-साथ कई अन्य लोगों के लिए रोजगार के अवसर पैदा करते हैं, जिससे युवाओं को नौकरी के लिए भटकने की बजाय खुद का करियर बनाने का प्लेटफॉर्म मिलता है। इसके अलावा, हर स्टार्टअप किसी न किसी समस्या के समाधान की कोशिश करता है।

• इंदौर से निकले कुछ शानदार स्टार्टअप्स

इंदौर से कई ऐसे शानदार स्टार्टअप्स निकलकर सामने आए हैं, जिन्होंने न केवल स्थानीय स्तर पर, बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी पहचान बनाई है। इनमें सबसे पहले नाम आता है Gramophone का, जो एक एग्रीटेक स्टार्टअप है और किसानों को स्मार्ट खेती के लिए सलाह, कृषि उत्पादों की जानकारी और सप्लाई चेन सपोर्ट प्रदान करता है।

दूसरा उदाहरण है Trailroot जो ट्रैवल और एडवेंचर को प्रमोट करने वाला एक इनोवेटिव प्लेटफॉर्म है और युवाओं के बीच काफी लोकप्रिय होता जा रहा है, खासकर उन लोगों के बीच जो ऑफबीट डेस्टिनेशन्स को एक्सप्लोर करना चाहते हैं। वहीं, Shopkirana एक B2B स्टार्टअप है, जो रिटेल दुकानदारों को डायरेक्ट मैन्युफैक्चरर्स से जोड़ने का काम करता है, जिससे उन्हें उत्पाद सस्ते दामों पर और तेजी से मिलते हैं। इन सभी स्टार्टअप्स ने यह साबित कर दिया है कि इंदौर अब सिर्फ सपनों का शहर नहीं, बल्कि उन्हें साकार करने की जमीन भी बन चुका है।

इंदौर का स्टार्टअप इकोसिस्टम क्यों खास है?

इंदौर का स्टार्टअप इकोसिस्टम कई मायनों में खास और अनुकूल है, जो इसे नए उद्यमियों के लिए एक आकर्षक डेस्टिनेशन बनाता है। सबसे पहले, यहां IIT और IIM जैसे प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों की मौजूदगी ने इस शहर को टैलेंट और स्किल का गढ़ बना दिया है, जहां से हर साल हजारों सक्षम युवा निकलते हैं। इसके अलावा, मुंबई और दिल्ली जैसे बड़े शहरों की तुलना में इंदौर में ऑफिस सेटअप, किराया और संचालन की लागत काफी कम है, जिससे स्टार्टअप्स को कम बजट में बेहतर सुविधाएं मिल जाती हैं।

प्रशासनिक दृष्टिकोण से भी इंदौर को भरपूर सहयोग मिलता है। MP सरकार की स्टार्टअप नीति और IIT इंदौर जैसे संस्थानों के इन्क्यूबेशन सेंटर्स युवाओं को मार्गदर्शन, संसाधन और फंडिंग का सपोर्ट देते हैं। साथ ही, इंदौर स्टार्टअप हब, Workie जैसे को-वर्किंग स्पेसेज और विभिन्न नेटवर्किंग इवेंट्स नए उद्यमियों को जुड़ने, सीखने और आगे बढ़ने के लिए एक शानदार प्लेटफॉर्म मुहैया कराते हैं। यही सारी बातें इंदौर को मध्य भारत का एक उभरता हुआ स्टार्टअप हब बना रही हैं।

• स्टार्टअप्स और डिजिटल क्रांति

डिजिटल क्रांति ने स्टार्टअप्स की दुनिया में एक नया मोड़ ला दिया है, जिसने छोटे उद्यमों को भी बड़े ब्रांड्स की तरह प्रतिस्पर्धा करने की ताकत दी है। आज के डिजिटल टूल्स, जैसे सोशल मीडिया, ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स, डिजिटल मार्केटिंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) और डेटा एनालिटिक्स ने स्टार्टअप्स को तेजी से बढ़ने और व्यापक ऑडियंस तक पहुंचने का मौका दिया है। यही वजह है कि अब एक छोटा-सा स्टार्टअप भी सीमित संसाधनों के बावजूद बड़ी कंपनियों को टक्कर दे सकता है। इंदौर में भी यह बदलाव साफ देखा जा सकता है, जहां युवा उद्यमियों ने इंस्टाग्राम, व्हाट्सएप और अपनी वेबसाइट्स के जरिए खुद के क्लोदिंग ब्रांड्स, फूड डिलीवरी सर्विसेज और होममेड प्रोडक्ट्स को न केवल लॉन्च किया, बल्कि लोकप्रिय भी बना दिया है।